Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 9

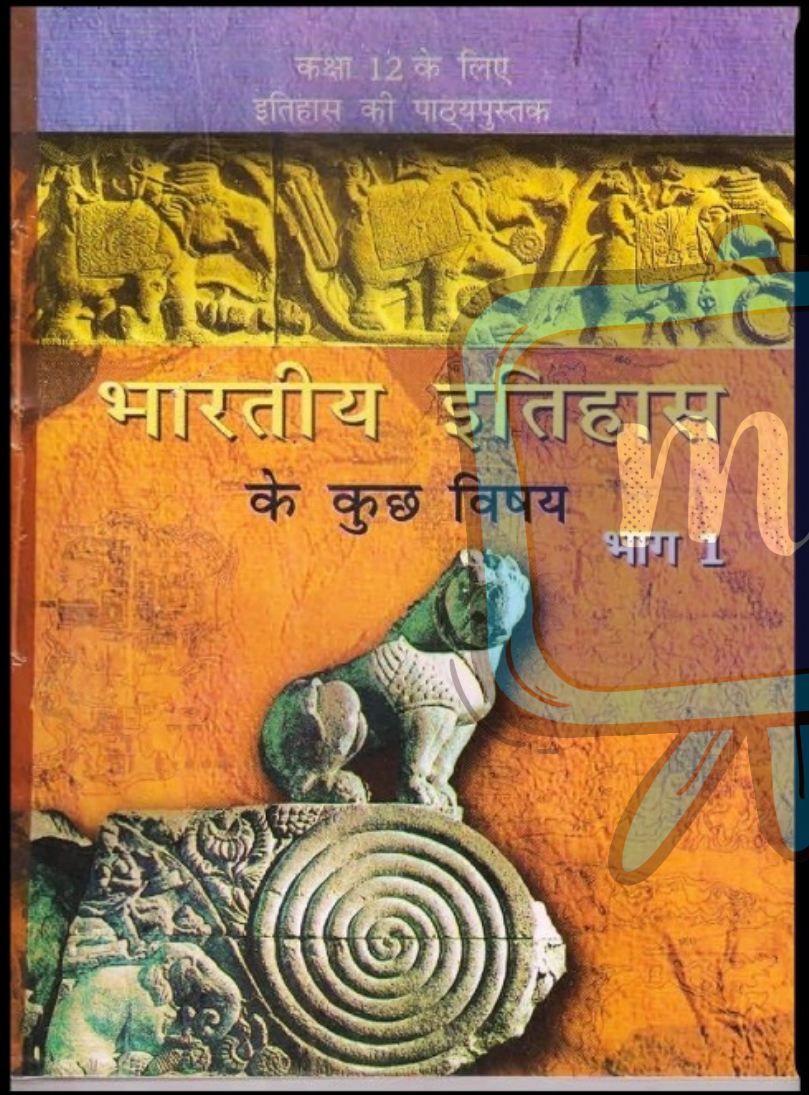
उपनिवेशवाद और देहात

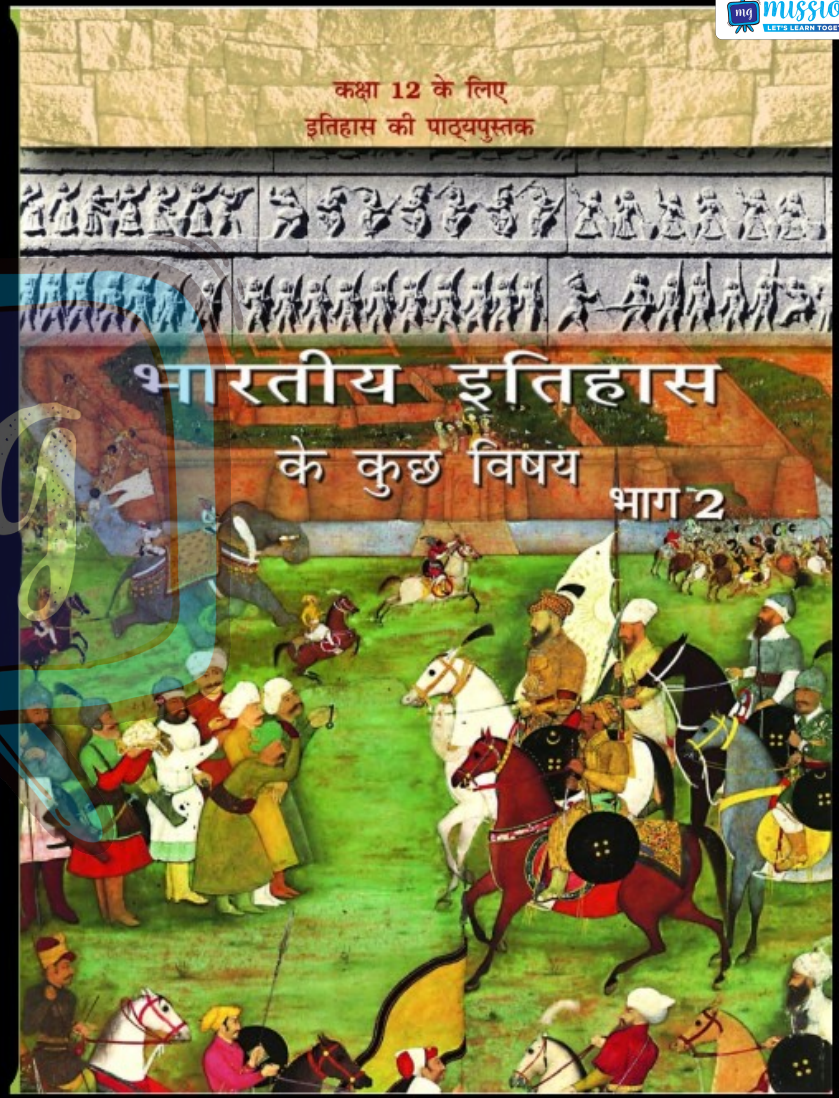
भाग - 1

Pritesh Joshi

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





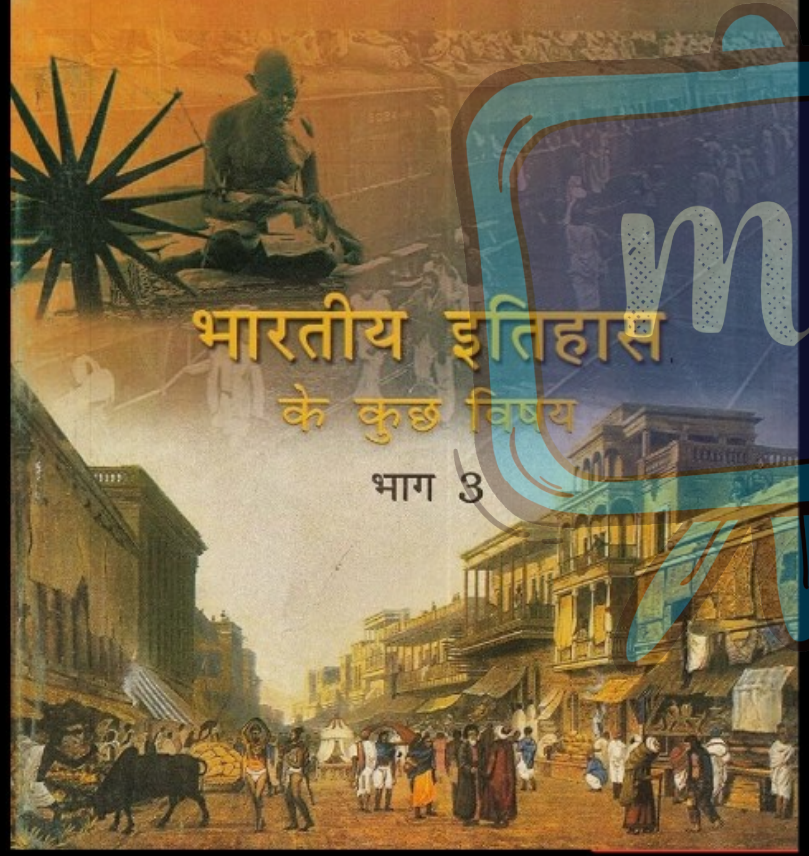
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा 12 के लिए
इतिहास की पाठ्यपुस्तक

भारतीय इतिहास
के कुछ विषय

भाग 3



विषय सूची

आमुख iii
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन v
अध्ययन का केंद्रबिंदु निश्चित करना vii
इस पुस्तक का कैसे प्रयोग किया जाए? xiii

भाग 3

विषय नौ
उपनिवेशवाद और देहात 227
सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

विषय दस
विद्रोही और राज 258
1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

विषय ग्यारह
महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन 286
सविनय अवज्ञा और उससे आगे

विषय बारह
संविधान का निर्माण 316
एक नए युग की शुरुआत

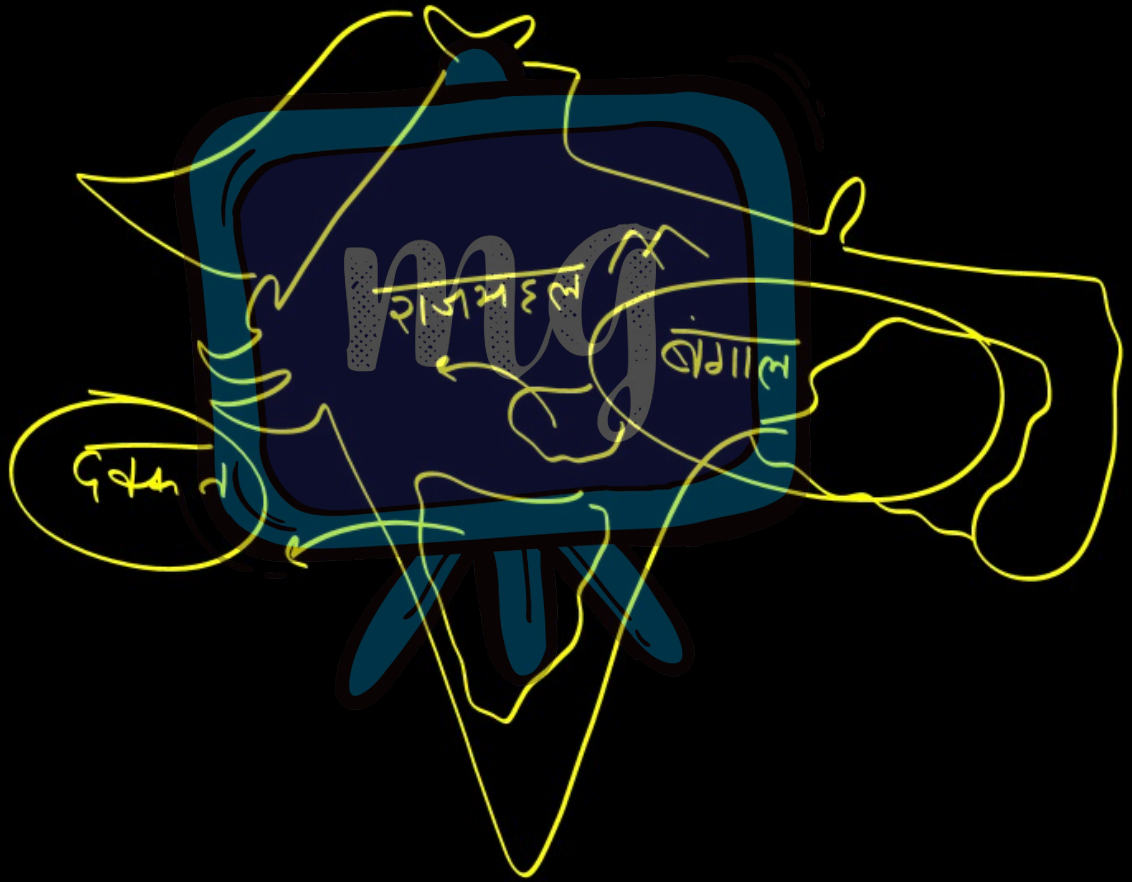


© NCERT not to be republished

Under CSR Support by ipca | Foundation

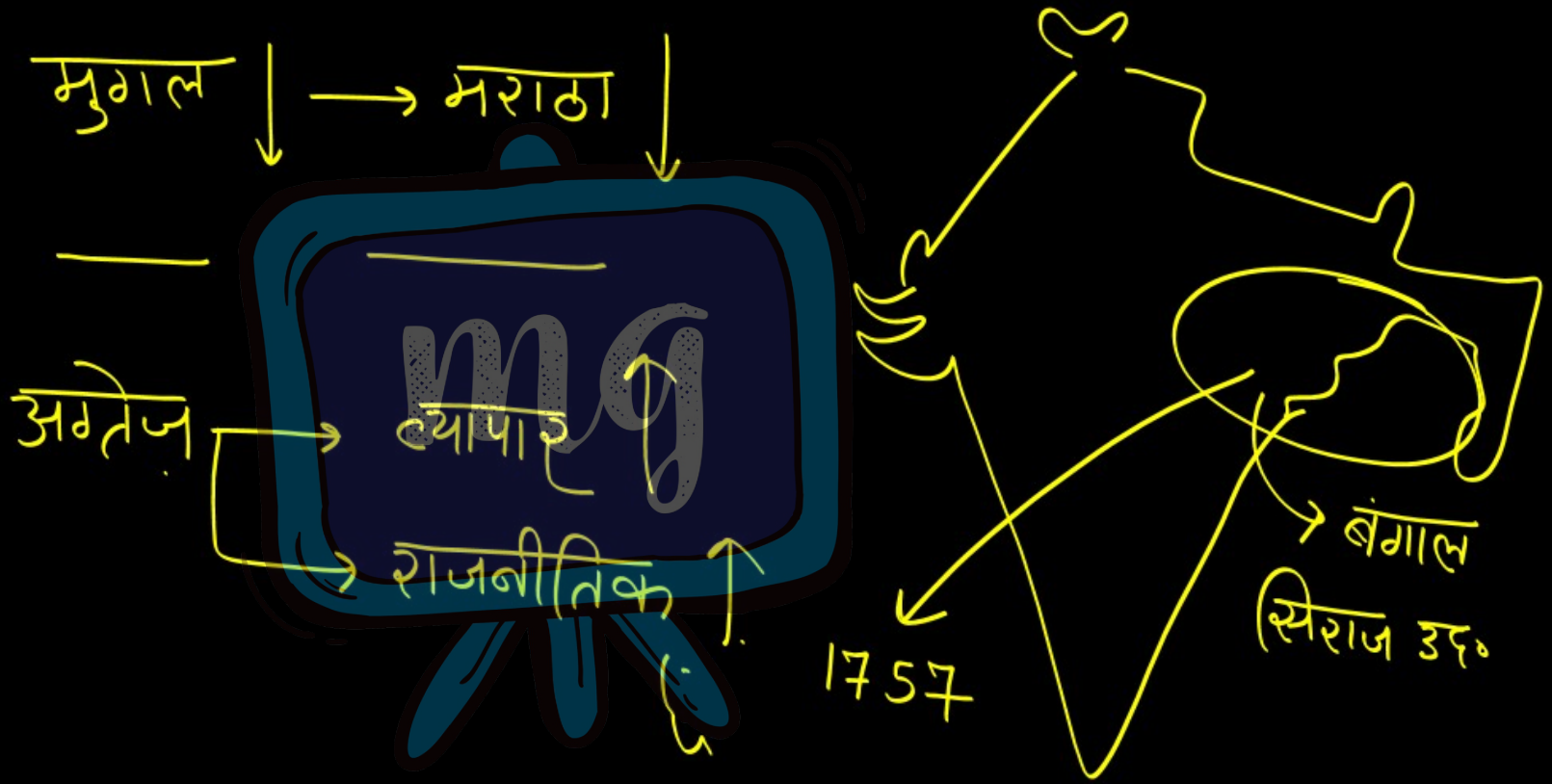
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उपनिवेशवाद और देहात



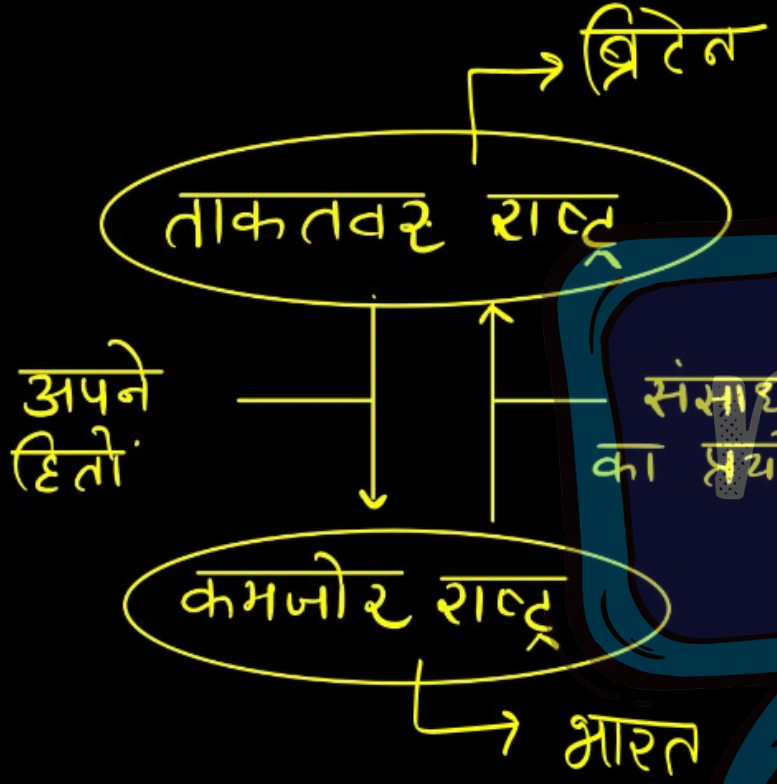
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

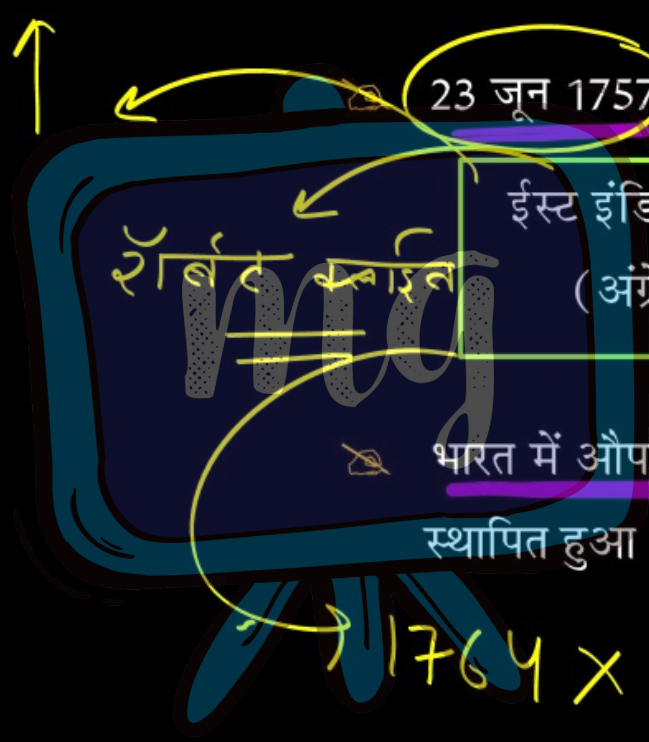


उपनिवेशवाद का अर्थ

- किसी समूह एवं शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा अपने विभिन्न हितों को साधने के लिए किसी निर्बल राष्ट्र के विभिन्न संसाधनों का शक्ति के बल पर उपभोग करना।
- भारत में लंबे समय तक ब्रिटेन के द्वारा औपनिवेशिक शासन किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



23 जून 1757 को प्लासी का युद्ध हुआ।

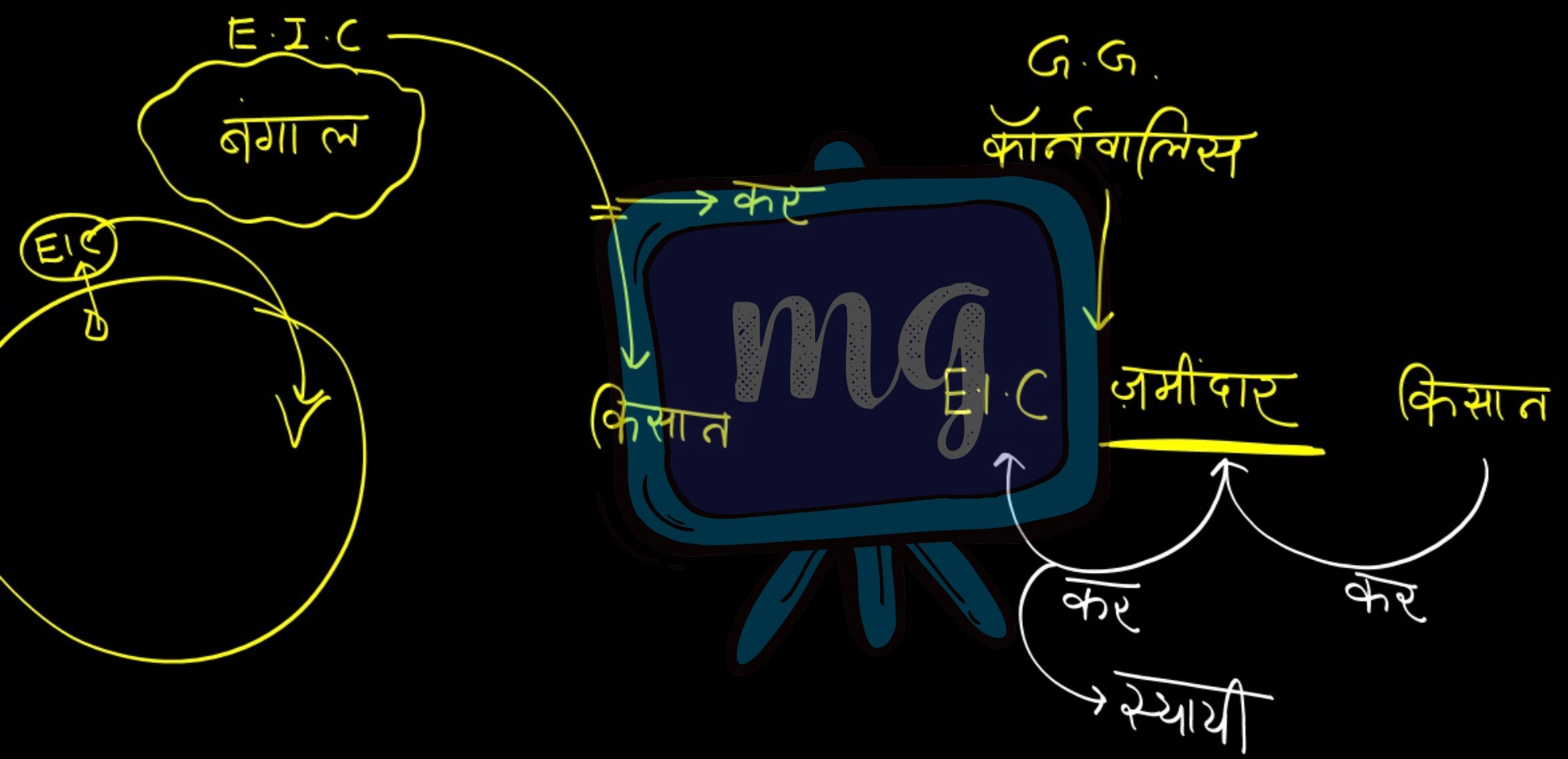
ईस्ट इंडिया कंपनी	Vs	बंगाल का नवाब
(अंग्रेज)		(सिराजुद्दौला)

- भारत में औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम बंगाल में स्थापित हुआ।

1764

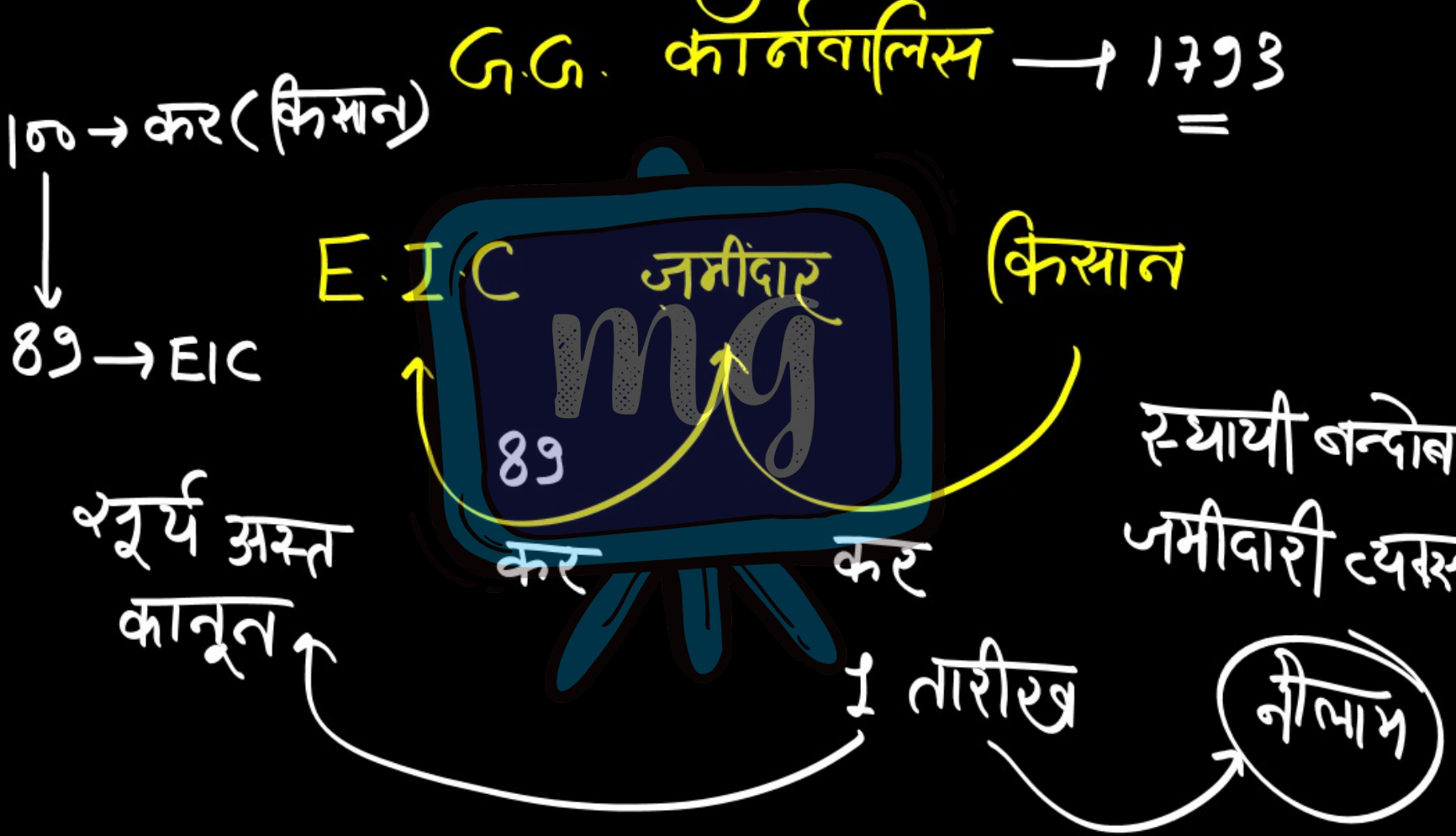
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



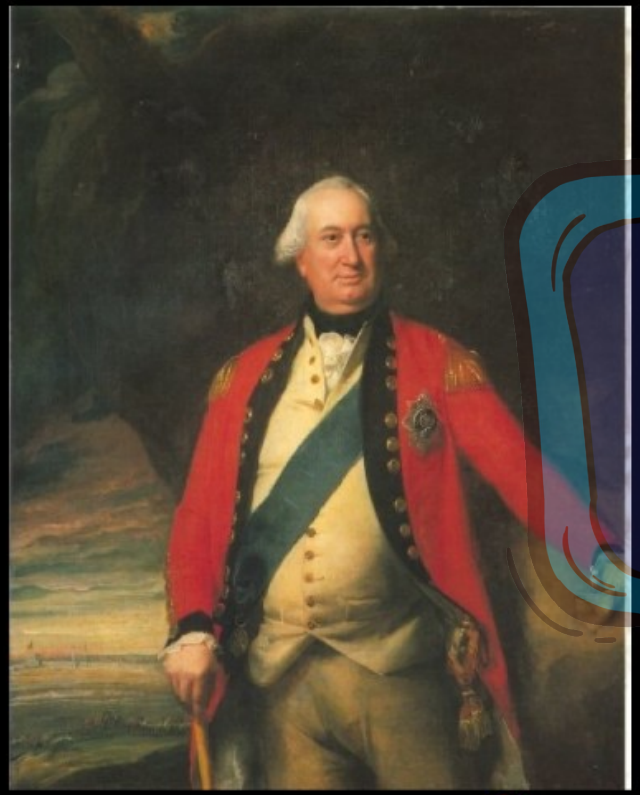
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बंगाल का गवर्नर-जनरल (1786-1793)

- 1793 – लॉर्ड कार्नवालिस के द्वारा बंगाल में इस्तमरारी व्यवस्था / जमींदारी व्यवस्था / स्थायी बन्दोबस्त लागू किया गया।

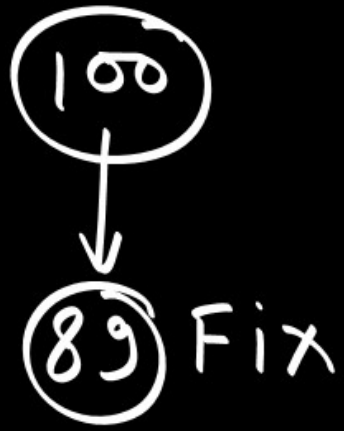
कृषक → जमींदार → ईस्ट इंडिया कंपनी

- सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।

1 → सूर्य अस्त

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





1. **बंगाल और वहां के जमींदार :-**

जमींदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई ?

- अंग्रेज (ईस्ट इंडिया कम्पनी) राजस्व से प्राप्त आय को निश्चित करना चाहते थे।
- जमींदारों के पास कृषि में सुधार करने के लिए पूंजी और उद्यम दोनों होंगे।
- जमींदार वर्ग कंपनी के प्रति वफादार बना रहेगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1793 ई. में इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू होने के बाद जमींदार गाँव में भू-स्वामी नहीं रहा, बल्कि वह राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) मात्र था।

- सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी की नीलामी कर दी जाती थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

२. स्थायी बन्दोबस्त क्या था?

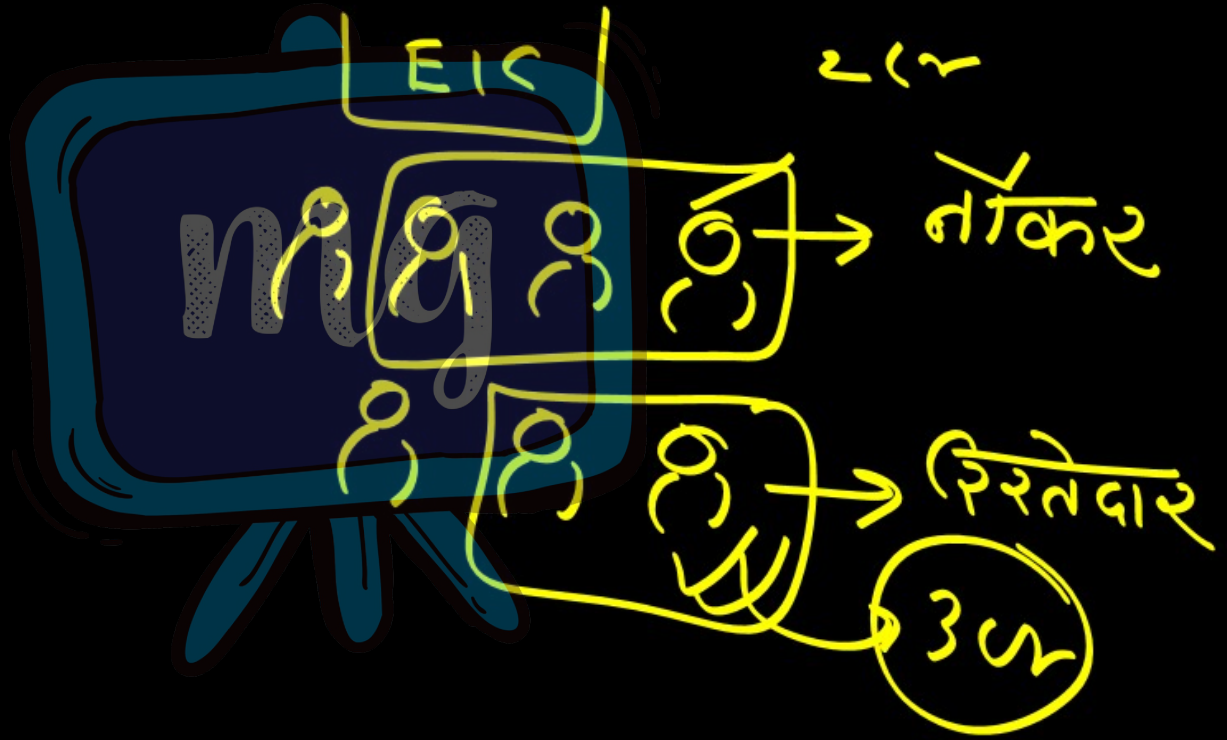
३. स्थायी लागू क्यो किया गया?

४. सूर्य अस्त कानून क्या था?



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ज़मींदारी की निलामी



राजस्व बकाया → निलामी

निलामी → नकली खरीदार

नकली खरीदार → राजा के नौकर

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

